वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 106 | शुक्रवार 9 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रोडवेज में 36वां स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

398 यूनिट हुआ रक्तदान, 'आत्मानो मोक्षार्थं जगत हितायचः' की भावना को सार्थक बनाता है रक्तदान- रोडवेज अध्यक्ष

जयपुर. कासं

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रोडवेज अध्यक्ष श्रेया गुहा ने कहा कि इस तरह के स्वैच्छिक रक्तदान शिविर 'आत्मानो मोक्षार्थं जगत हितायचः' की भावना को सार्थक बनाते है। उन्होंने रक्तदान को ही समाज और मानवता की अप्रतीम और सच्ची सेवा बताया। गुहा ने गुरुवार को रोडवेज मुख्यालय पर राजस्थान रोडवेज रिलीफ सोसाइटी, लायंस क्लब एवं एसएमएस अस्पताल के सहयोग से आयोजित 36वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का दीप प्रज्लवन कर शुभारंभ किया। शिविर में निगम के सभी आगारों की सहभागिता से लगभग 398 कार्मिकों ने रक्तदान कर अपने सामाजिक दायित्व को पूरा किया। शिविर में कुल 398 यूनिट रक्तदान हुआ। राजस्थान रोडवेज रिलीफ सोसाइटी के संयोजक ताराचंद जैन ने बताया कि दुर्धटनाओं और प्राकृतिक आपदाओं में धायल चालाक/परिचालक एवं यात्रियों का जीवन अमूल्य है, जिनके लिये इस तरह के रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। जिससे किसी भी जरुरतमंद को संकट के समय रक्त उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि रोडवेज निगम में विगत 35 वर्षों से रोडवेज रिलीफ सोसाइटी द्वारा रोडवेज कार्मिकों की सहभागिता से रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इस अवसर पर रोडवेज की कार्यकारी निदेशक (यातायात) डॉ. ज्योति चौहान, कार्यकारी निदेशक (प्रशासन) अनीता मीना, कार्यकारी निदेशक (यांत्रिक) रवि सोनी, लायंस क्लब के अध्यक्ष अनिल जैन सहित निगम के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने ली समीक्षा बैठक

कृषि, पशुपालन और सहकारिता से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए

नई फसलों और फलों की खेती के लिए प्रेरित किया जाए

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने प्रदेश में कृषि और पशुपालन से जुड़ी गतिविधियों में नवाचार अपनाते हुए अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित किए जाने का आह्वान किया हैं। उन्होंने कृषि और सहकारिता क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी करने के लिए डेयरी से जुड़े उत्पादों में गुणवत्ता वृद्धि के साथ उनकी प्रभावी विपणन रणनीति पर भी कार्य किए जाने पर जोर दिया। राज्यपाल बागडे ने गुरुवार को राजभवन में राजस्थान में कृषि, पशुपालन और सहकारिता से जुड़े विभागों के अधिकारियों से इस क्षेत्र की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने प्रदेश में प्राकृतिक खेती से जुड़े नए आयामों को अपनाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने जैविक खेती और उद्यानिकी के लिए राजस्थान में हो रहे कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि किसानों को नई फसलों और फलों की खेती के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि दूसरे राज्यों में अपनाई जा रही कृषि की अच्छी, महत्वपूर्ण और किसानों के लिए लाभकारी तकनीक को राजस्थान में भी उपयोग में लाया जाए। राज्यपाल बागडे ने सहकारिता के अंतर्गत राज्य में दुग्ध उत्पादन गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने औसत दुग्ध संकलन, औसत तरल दुग्ध विपणन, पशु आहार उत्पादन, घी की आपूर्ति आदि के बारे में जानकारी लेते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में इन गतिविधियों से पशुपालकों को अधिकाधिक लाभान्वित किए जाने और नागरिक बैंक की संभावनाओं और सहकारिता क्षेत्र से जुड़े कार्यों से अधिकाधिक लोगों को जोड़कर कार्य करने की आवश्यकता जताई।

गोपालन मंत्री ने किया डेयरी-स्वीट एक्सपो का पोस्टर लॉन्च

नवंबर में जेईसीसी कंवेक्शन सेन्टर में होगा आयोजित; अत्याधुनिक और नवीनतम तकनीक का किया जाएगा प्रदर्शन

जयपुर. कासं

पशुपालन, गोपालन, मत्स्य और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने नवम्बर में जयपुर में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के डेयरी और स्वीट एक्सपो के पोस्टर का विमोचन किया। डेयरी और स्वीट एक्सपो का आयोजन इंडियन डेयरी एसोसिएशन के राजस्थान चैप्टर और इंडिया एक्सपो मार्ट के संयुक्त आयोजन में सीतापुरा स्थित जेईसीसी कंवेक्शन सेन्टर में किया जाएगा। पोस्टर अनावरण के अवसर पर इंडियन डेयरी एसोसिएशन राजस्थान चैप्टर के

चेयरमैन करुण चण्डालिया, सचिव प्रीतेश जोशी, कोषाध्यक्ष गोविन्द गुप्ता, प्रमुख उधमी शिवराज सिंह बीठिया और इंडिया एक्सपो मार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक सम्बित कुमार मुंड भी उपस्थित थे। इंडियन डेयरी एसोसिएशन राजस्थान चैप्टर के सचिव प्रीतेश जोशी ने बताया कि एक्सपो में देशभर से डेयरी और स्वीट मैन्यूफैक्चरिंग यूनिटस और मशीनरी के निमार्ता, विशेषज्ञ आदि भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि एक्सपो में डेयरी और स्वीट मैन्यूफैक्चरिंग इंडस्ट्री में उपयोग में लाई जाने वाली अत्याधुनिक और नवीनतम तकनीक का प्रदर्शन भी किया जाएगा। प्रीतेश ने कहा कि एक्सपो में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना वाईब्रेंट राजस्थान की तर्ज पर राज्य में डेयरी और स्वीट उद्योग से जुड़े प्रतिष्ठित ब्राण्डस, मैन्युफैक्चरर, मशीनरी उत्पादक और विषय विशेषज्ञ भाग लेंगे। कुमावत ने सफलता की शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि डेयरी और स्वीट एक्सपो राजस्थान के इन दोनों परम्परागत उद्योगों के विकास को नई दिशा देगा।

"हरियालो राजस्थान" एक पेड़ - माँ के नाम के तहत 5100 पौधों का वृक्षारोपण अभियान

ब्यावर. शाबाश इंडिया

स्वायत शासन मन्त्री झाबरसिंह खर्रा के मुख्य आतिथेय में ब्यावर व्यापार संघ के सघन वन अभियान में 5100 पौधों के पालन पोषण रखरखाव की शपथ । वृक्षारोपण के शुभारम्भ में राज्यमंत्री खर्रा ने कहा - पिछले 75 वर्षों में प्रकृति के साथ जो दोहन हुआ हैं उसकी भरपाई अगले तीन वर्षों में करने की हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। ब्यावर जिला व्यापार संघ के अध्यक्ष घीया ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के आव्हान पर एवँ राजस्थान सरकार के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन पर ब्यावर जिला व्यापार संघ , ब्यावर की टीम द्वारा हरियालो - राजस्थान के तहत पर्यावरण में ऑक्सीजन लेवल बढ़ाने, वायु की गुणवत्ता में सुधार करने, प्रदूषण कम करने, तथा आने वाली पीढ़ियों को शुद्व वातावरण मिले इसके लिए - सघन वृक्षारोपण में भागीदारी सुनिश्चित करते हुए 5100 (पांच हजार एक सौ पौधों) का पौधरोपण करने का लक्ष्य रखा गया । जिसका शुभारम्भ आज दिन में दोपहर करीब 3 बजे श्री तिजारती चेम्बर सरार्फान गौशाला मसूदा रोड़ ब्यावर में सघन वन - पौधारोपण समारोह पूर्वक सम्पन्न किया गया ।एक पेड़ - माँ के नाम सघन वृक्षारोपण समारोह में मुख्य अतिथि राज्य मन्त्री झब्बरसिंह खर्रा , विशिष्ट अतिथि विधायक शंकर सिंह रावत एवँ सभापति नरेश कनोजिया तथा अध्यक्षता संजय घीया रहे। अन्य सम्माननीय अतिथि के रूप में उपखण्ड अधिकारी गौरव बूढानिया , परिषद आयुक्त श्रवणराम चौधरी , तहसीलदार लालाराम यादव, पुलिस थाना शहर के थानाधिकारी नाहरसिंह, परिषद के अधिशासी अभियंता सुनील यादव, सहायक अभियंता शुश्री सिमरन , कनिष्ठ अभियंता अंजुम अली अंसारी , कपिल गौरा , प्रसासनिक अधिकारी दमयंती जयपाल, स्वास्थ्य निरीक्षक हरिराम लखन , कैसी मीणा व परिषद की जेटीओ एवँ उनकी टीम मेम्बर्स ने पीपल , बड़, नीम , शीशम , जामुन , गुलमोहर आदि पौधों का पौधरोपण कर हरियालो राजस्थान समारोह को सफल बनाने में सहयोग किया । इस अवसर पर ब्यावर व्यापार संघ की गवर्निंग काउन्सिल के पदाधिकारी संयोजक गजराज आचार्य, विजय लोंगानी, दिनेश सावलानी, कपिल भारती , राजेन्द्र शर्मा, जेनिश भारती , विनोद हरचन्दानी, प्रकाश कुंदनानी , अतीन राठी, गोवर्धन सिंहल, नरेश गुप्ता , संजय गर्ग, नेमीचन्द सेन, राजेश भूतड़ा, दोलेश बंसल ,किशोर साहू, प्रेम नारायण राठी , राकेश चौहान, गौरव सक्सेना, विनोद फुलवारी, गणपत लाल परिहार तथा गौशाला प्रबन्धन समिति के सचिव लक्ष्मीचंद भण्डारी , पूर्व सचिव मदन मोहन मोदी , राजेश शर्मा, गोपाल शर्मा, लादूराम शर्मा, महेंद्र गुर्जर, महेंद्र शर्मा , कमल शर्मा तथा ग्रीन प्रोजेक्ट ब्यावर के संयोजक संजय पाराशर व ग्रीन ब्यावर टीम के सामाजिक कार्यकताओं व अन्य सामाजिक सँस्थाओ ने शिरकत कर हरियालो राजस्थान के तहत पौधरोपण का संकल्प लिया ।

जय दुर्गा कॉलेज एवं स्कूल ऑफ नर्सिंग झोटवाड़ा द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जय दुर्गा कॉलेज एवं स्कूल ऑफ नर्सिंग एवं दीप हॉस्पिटल झोटवाड़ा, जयपुर के द्वारा 1 से 7 अगस्त 2024 को विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन झोटवाड़ा कच्ची बस्ती क्षेत्र एवं सिरसी सामुदायिक स्वा. केन्द्र के ग्रामीण क्षेत्र के लोगों, माताओं परिवार जनों को तथा दीप हॉस्पीटल मे आने वाली माताओं को स्तनपान की महत्ता, उपयोगिता तथा स्तनपान कराने के तरीके आदि पर स्वास्थ्य शिक्षण सामग्री चार्ट पोस्टर, का उपयोग व प्रदर्शनी का आयोजन कर स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान की गई। प्रसवोत्तर माताओं के लिये स्तनपान प्रोत्साहन शिविर का आयोजन कर माताओं को समझाया गया कि शिशुओं को स्तनपान की आवश्यकता है। नर्सिंग छात्रों द्वारा स्तनपान पर वाद विवाद, निबन्ध, पोस्टर, रंगोली प्रतियोगितायें भी आयोजित की गई। 5 अगस्त 2024 को स्तनपान हेतु जनजागृति व जनजागरण हेतु नर्सिंग छात्रों द्वारा विशाल रैली का आयोजन किया गया तथा सप्ताह का समापन डा.अनिल गुप्ता, निदेशक मेडिकल हेल्थ केयर एंड रूरल डेवलपमेंट संसथान एवं दीप हॉस्पिटल झोटवाड़ा, जयपुर के द्वारा किया गया । डा.अनिल गुप्ता ने नवजात शिशु को माँ पहला दूध शिशु के जन्म के तुरन्त बाद पिलाने तथा 6 माह तक भूख लगे तो माँ का दूध, प्यास लगे तो केवल माँ को पिलाने की परम्परा कायम करने हेतु माताओं को स्वास्थ्य संदेश देने के लिए नसिंग छात्र-छात्राओं ने अपील की। इस अवसर पर प्रो. गोविन्द नारायण शर्मा, प्रिंसिपल, जय दुर्गा कॉलेज ऑफ नर्सिंग डॉ.दीपक कुमार सिंह , प्रिंसिपल, जय दुर्गा कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी सहित कॉलेज के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

भक्तामर महिमा पर विशेष व्याख्या, सुनने उमड़ रहे हैं भक्त

विषय कषायों की भंवर से व्याप्त है संसार सागर : भावलिंगी संत विमर्श सागर

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन कृष्णा नगर जैन मंदिर में श्री भक्तामर महिमा पर परमपूज्य भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्शसागर जी महामुनिराज के द्वारा विशेष व्याख्यान माला प्रतिदिन चल रही हैं। परम पूज्य दिगम्बर जैनाचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज ने धर्मसभा में जिनभक्ति के कठिन विषयों पर प्रकाश डाला।आचार्य श्री ने कहा संसारी जीवों को भक्ति का मार्ग कठिन लगता है, धर्म साधना का मार्ग जटिल लगता है, त्याग तपस्या का मार्ग कंटकाकीर्ण (कांटों से भरा हुआ) प्रतीत होता है। धन्य है वे निग्रंथ वीतरागी भावलिंगी संत जो इस पंचमकाल में हीन सहनन होते हुये भी अपनी आत्मा की शक्ति भी - जागृत कर साधना की कठिन डगर पर ताउम्र चलते हैं। और आगे आने वाले कमजोर मनोबल बाले साधकों के लिये एक साधना का आदर्श प्रस्तुत करके जाते हैं। आचार्य श्री ने नदी की भवँर का उदाहरण प्रस्तुत करते हुये कहा कि जिस प्रकार नदी के बीच कभी भवंर उत्पन्न होती है और उसमें फँसने वाला जीव मुश्किल से बाहर निकल पाता है उसी प्रकार ये संसारी जीव विषय, कषायों की भँवर में अनादि से फँसा हुआ है, इस संसार की भँवर से निकल पाना बहुत दुर्लभ है। इस संसार सागर में जब किसी महान गुरु का सानिध्य प्राप्त होता है और जीव प्रभु भक्ति से जुड़ता है तो जीवन में भक्ति का ऐसा ज्वार आता है कि वो जीव निर्वाण का स्पर्श कर लेता है। अनादि से जीव अज्ञानता के कारण परमात्मा के द्वार पर आकर भी अभिमान और अहंकार के कारण सागर में ऐसे भरि की प्राप्त होता है कि निगोद तक चला जाता है। भक्तामर महिमा में आज की धर्मसभा का पुण्यात्मा भावक श्रेष्ठी बनने का सोभाग्य संजय जैन श्रीमति नीतू जैन एम. एस फैशन स्वर्णानगर को प्राप्त हुआ। प्रतिदिन शाम 6:30 बजे भक्ति गंगा महोत्सव टूडेज सोल्युसन में भारी संख्या में जिनागम पंथी गुरुभक्त उपस्थित हो रहे हैं।

दुर्लभ है मानव तन मिलना, मनुष्य गति में ही मिलता मोक्ष का परमिटः आचार्य सुंदरसागर महाराज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा । मनुष्य गति मिलना अनमोल है जिसमें मनुष्य सिद्ध बनने का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है। अन्य किसी गति में जीवात्मा को ऐसा दुर्लभ अवसर प्राप्त नहीं होने वाला है। नरक गति में पेट नहीं होगा, देव गति में दान करने का भाव नहीं बनेगा। तिर्यंच गति में मंदिर नहीं आ सकेंगे। मनुष्य गति में ही मोक्षगामी बनने का परमिट मिलता है इसलिए भावों में विशुद्धि करके अपना चौथा गुणस्थान प्राप्त कर लेना चाहिए फिर मोक्ष जाने से कोई नहीं रोक पाएगा। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) प्रवचन के तहत गुरूवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की वाणी सुनकर उनके जैसे बनने के भाव जागृत होते है। हमेशा त्यागीवृति व शुभभावों के साथ भगवान की वाणी सुननी चाहिए। जन्म लेने वाले प्राणी का मरना निश्चित है मौत कब आएगी ये पता नहीं है। जन्म आगे-पीछे कर सकते हो लेकिन मरण को नहीं रोक सकते। इसलिए मृत्यु से पहले कुछ ऐसा कर जाओ कि आपका गुणस्थान सुधर जाए। आचार्यश्री ने कहा कि जन्म-मरण के मध्य गुणस्थान ही सेतु है। आपके गुणस्थान ही आपका आयुबंध एवं अगला भव क्या प्राप्त होगा यह तय करेंगे। आत्मा में रमण करने के लिए वात्सल्य भाव के साथ मुनियों से अनुराग रखो। क्रोध, मान, माया, लोभ रूपी कषाय पर विजय प्राप्त करने पर ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होंगा। इसलिए जीवन को कषाय मुक्त बनाने का प्रयास करते रहे। जिनवाणी श्रवण हमे कषाय मुक्त बनने में सहायक होता है। इससे पूर्व प्रवचन में मुनि शुभमकीर्ति महाराज ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को जीवनयापन के लिए कुछ न कुछ वस्तुओं की आवश्यकता होती है। इनका संयोग इच्छा,शक्ति व पुरूषार्थ से मिलता है। दान देने से शुभ परिणाम बनते है ओर अच्छे भव बनने से वह वापिस लौटकर भी आता है। इंसान को उसके कर्मो का फल अवश्य मिलता है इसलिए हमेशा शुभ कर्म ही करने चाहिए। अशुभ कर्म इंसान की गतियां बिगाड़ देते है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकरों को आहार देने वाले को मोक्ष प्राप्ति होती है। आहार देने में शुद्धता व प्रासुकता का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। आहार करते समय हमेशा मयार्दा का ध्यान रखना चाहिए क्योंकि हम जैसा अन्न खाएंगे वैसा ही हमारा मन बन जाएगा। घर का शुद्ध खाना खाए ओर बाहर का अशुद्ध खाना खाने से बचना चाहिए। हमारी प्रत्येक क्रिया में भावना मोक्ष प्राप्ति की रहनी चाहिए। जीवन में समता भाव रखने से ही कल्याण होगा। सांयकालीन धर्म क्रिया में आर्यिका सुलक्ष्यमति माताजी ने जीव को आयुबंध कब और कैसे होता है इस बारे में विस्तार से समझाने के साथ शंका समाधान भी किया। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि सभा के शुरू में श्रावकों द्वारा मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन,पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट व अर्ध समपर्ण किया गया। संचालन पदमचंद काला ने किया। महावीर सेवा समिति द्वारा बाहर से पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया। मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि पूज्य आचार्य सुंदरसागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में 11 अगस्त को मोक्ष सप्तमी महोत्सव मनाया जाएगा।

अग्रवाल समाज सेवा समिति ने वृद्धाश्रम में राशन वितरण किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रचार सचिव हर्षित गर्ग ने बताया कि प्रातः अग्रवाल समाज सेवा समिति,प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर की ओर से हल्दीघाटी मार्ग स्थित हरे कृष्ण वृद्धाश्रम और आशिर्वाद वृद्धाश्रम में समिति के संरक्षक आर. सी. मंगल, दिनेश कुमार गर्ग, अध्यक्ष डॉ. लोकेश गुप्ता एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवचरण अग्रवाल की उपस्थिति मे राशन सामग्री वितरित की।

वेद ज्ञान

छल का नतीजा

चिकनी-चुपड़ी बातों से विश्वास में लेकर किसी से कुछ हासिल कर अपनी बातों से मुकर जाना छल है। इस प्रवृत्ति को ठगी भी कह सकते हैं। ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियों की धर्मग्रंथों और ऋषियों-मुनियों ने कड़ी निंदा की है। जो लोग इन नकारात्मक प्रवृत्तियों से ग्रस्त हैं, उनकी मदद ईश्वरीय-शक्तियां भी नहीं करतीं। ऐसे लोगों के लाख पूजा-पाठ, व्रत-अनुष्ठान करने के बावजूद उन्हें ईश्वर की अनुकंपा नहीं मिलती। दुर्भाग्य का विषय है कि भौतिकता के दौर और शिक्षा के प्रसार के युग में तीन-तिकड़म, झूठ-फरेब और झपट-कपट से कोई उपलब्धि हासिल कर लेने वाले को बुद्धिमान और चतुर इंसान माना जाता है। ऐसे व्यक्ति की निंदा के बजाय स्तुति, सामाजिक बहिष्कार की जगह स्वागत-सम्मान हो रहा है। नतीजा यह है कि इस तरह की प्रवृत्ति हर क्षेत्र में बढ़ रही है। आदर्श वाक्य सत्यमेव जयते पर तमाम लोग अमल नहीं कर रहे हैं। छोटे संस्थानों में ही नहीं, बल्कि बड़े शासकीय संस्थानों में भी सार्वजनिक तौर पर खुद गलत बयानियां की जा रही हैं और इन लोगों के समर्थन में कुछ लोग तालियां भी जोरदार ढंग से बजा रहे हैं। बहरहाल गौर से देखा जाए तो झूठ-फरेब की आयु ज्यादा लंबी नहीं होती, बल्कि झूठ-फरेब करने वाले ठग प्रवृत्ति के लोगों को कुछ समय के बाद इसके घातक परिणाम मिलने लगते हैं। यह केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सच्चाई है। जब कोई छल के बल पर किसी को ठगता है तो उस वक्त उसका मन कुछ डरा-डरा सा हो जाता है। मनुष्य का शरीर रसायनों से भरा है। इस स्थिति में शरीर के रसायनों में नकारात्मक और विषैले परिवर्तन होने लगते हैं जिसका असर कुछ दिनों बाद दिखता है। पौष्टिक आहार, योग और व्यायाम के बावजूद शरीर के रासायनिक परिवर्तन बीमारियों को जन्म देने लगते हैं। यह नकारात्मकता विचारों के जरिये रक्त में प्रवेश कर जाती है। फिर तो झूठ-फरेब बगैर मन उदास-उदास सा रहने लगता है। अब धोखेबाजी आदत बन गई। मनुष्य आदतों का गुलाम होता है। जब कोई पराया शख्स धोखे में नहीं फंसता तो फिर अपने परिवार, रिश्तेदार और आसपास रहने वालों पर वह कपट का जाल फेंकने लगता है। नजदीकी लोग तो सब कुछ जानते रहते हैं। लिहाजा विवाद और झगड़े शुरू होते हैं।

संपादकीय

दिव्यांग बच्चों के मौत को लेकर कई गंभीर सवाल

दिव्यांग बच्चों और अन्य विशेष व्यक्तियों को उनके परिजन इसलिए आश्रय गृहों में भर्ती कराते हैं, कि प्रशिक्षण और बेहतर देखरेख से उनके जीने की राह आसान हो सकेगी। मगर, इंदौर के एक बाल आश्रम में हैजा के प्रकोप से कई बच्चों और दिल्ली में मानसिक रूप से दिव्यांग लोगों के आश्रय गृह में कई की मौत ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। आश्रय गृहों में दिव्यांगों का खास खयाल रखना तो दूर, उन्हें बुनियादी सुविधाएं भी मुहैया नहीं हो पा रही हैं। मसलन, स्वच्छ पेयजल, संतुलित आहार, स्वच्छता, समय पर चिकित्सीय जांच आदि की माकूल व्यवस्था न होना। विडंबना है कि जिन आश्रयों में दिव्यांगों की उचित देखरेख की उम्मीद की जाती है, वहां वे बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इंदौर के बाल आश्रम में बच्चों की मौत की वजह हैजा बताई जा रही है, जो दूषित भोजन-पानी के कारण फैलता है। इंदौर के शासकीय बाल चिकित्सालय की अधीक्षक का कहना है कि बाल आश्रम की एक बच्ची को हाल में जब गंभीर हालत में अस्पताल में लाया गया तो तब वह उल्टी-दस्त और शरीर में पानी की कमी की समस्या से पीड़ित और कुपोषण का शिकार थी। चिकित्सकों की तमाम कोशिशों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। जांच के दौरान इंदौर के आश्रम में क्षमता से अधिक बच्चों को भर्ती किए जाने, उनका

चिकित्सीय रेकार्ड न रखे जाने और रखरखाव संबंधी गड़बड़ियों का खुलासा हुआ था। जांच रपट के बाद प्रशासन ने इस आश्रम के कुछ पदाधिकारियों की सेवाएं समाप्त कर दीं, लेकिन सवाल है कि क्या इससे समस्या पूरी तरह हल हो जाएगी? दिल्ली के आशा किरण आश्रय गृह में मौतों का मामला अब न्यायालय के समक्ष है। अदालत ने दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों को आश्रम में पानी की गुणवत्ता और साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करने के निर्देश दिए थे। अब दिल्ली सरकार के समाज कल्याण सचिव को निर्देश जारी कर स्थिति रपट देने को कहा है। जब तक आश्रय गृहों में भर्ती लोगों की समुचित देखरेख की जवाबदेही तय नहीं होती और जरूरी सुविधाओं के निरीक्षण की कारगर व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक इनकी दशा सुधरने की उम्मीद धुंधली ही रहेगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

दक्षिण एशिया की उम्मीद

बांग्लादेश भयानक उथल-पुथल से गुजर रहा है। वहां जनतंत्र इस्लामिक कट्टरवाद, पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद, सैन्य तानाशाही की आकांक्षा के प्रसार जैसे अनेक संकटों से जूझकर आगे बढ़ रहा था। बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा बंग बंधु शेख मुजिबुर्रहमान की पुत्री शेख हसीना अनेक मोर्चों पर जूझते हुए भी देश को विकास के रास्ते पर ले जाने के प्रयास में लगी थीं। अफसोस, विगत महीनों में यह प्रयास बाधित हो गया और ऐसी आंतरिक उथल-पुथल मची कि शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। अब वहां फिर सेना की ताकत बढ़ गई है। यह कहने में हर्ज नहीं कि बांग्लादेश के राष्ट्र इन द मेकिंग की प्रक्रिया को इससे गहरा धक्का लगा है। वहां मची हिंसा ने सामाजिक, जनतांत्रिक एवं राष्ट्रीय तंतुओं को छिन्न-भिन्न कर दिया है। न केवल बांग्लादेश, वरन आज पूरी दुनिया में अनेक तरह के पूर्वाग्रह, विघटनकारी धार्मिक या नस्लीय भाव एवं सैन्य प्रेरित आतंककवाद सिर उठाने लगे हैं। अनेक मुल्कों में आक्रामक भू-राजनीति, विघटन एवं विभाजन केंद्रित हिंसा को पड़ोसी मुल्कों से भी हवा दी जा रही है। इस नकारात्मक कार्य में अनेक महाशक्तियां और उनसे प्रभावित समर्थक देशों की भी बड़ी भूमिका है। ऐसी ही कुचेष्टाओं ने दक्षिण एशिया के अनेक मुल्कों जैसे झ्र पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार इत्यादि में जनतंत्र को संकटग्रस्त कर दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आधुनिकता ने जो सबसे मूल्यवान नीधि दुनिया को सौंपी थी, वह थी जनतांत्रिक व्यवस्था एवं जनतंत्र को पाने की चाह। वही बहुमूल्य नीधि आज के संदर्भ में संकटग्रस्त दिखने लगी है। इसके ज्वलंत उदाहरण हम बांग्लादेश में देख रहे है। यह हमारी सरकारों और समाज के लिए गहरे विचार का विषय होना चाहिए। यहां प्रश्न यह उठता है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे अनेक देशों में जनतंत्र क्यों बार-बार संकटग्रस्त हो जाता है? इसकी सबसे बड़ी वजह वे आधार तत्व हैं, जिन पर इन मुल्कों में समाज और राष्ट्र निर्मित हुआ है। इनमें पहला आधारभूत तत्व इन देशों में हिंसा या टकराव की बुनियाद पर खड़ा समाज है। एक अच्छे समाज को समावेश पर आधारित होना चाहिए, जबकि एक बुरा समाज टकराव पर खड़ा होता है। मोहम्मद अली जिन्ना ने चिड़ियों की दो आंख या द्वि-राष्ट्र के सिद्धांत के अनुसार ही भारत का विभाजन प्रस्तावित किया था। हम सब यह जानते हैं कि पाकिस्तान का निर्माण भारत विभाजन के लिए हुए भयंकर टकराव या हिंसा की बुनियाद पर हुआ। अफसोस, बाद में बांग्लादेश भी हिंसा की बुनियादी पर ही अलग हुआ या बना। टकराव के दर्शन पर खड़े समाज अपने अंदर और बाहर हमेशा टकराव की ही दृष्टि पालते देखे जाते हैं। टकराव या अलगाव की इस संस्कृति और विश्व दृष्टि का एक बड़ा पोषक तत्व मजहब आधारित राष्ट्र की कल्पना है। मजहब आधारित राष्ट्रवाद हमेशा अपने भीतर आतंकवाद, कट्टरता को गति देता रहता है। हम आसानी से देख सकते हैं कि अनेक देशों में इस्लाम अपने आध्यात्मिक एवं धार्मिक समाहार की शक्ति खोते हुए राजनीतिक अस्त्र में बदल गया है, जिसका इस्तेमाल प्रायः सैन्य तानाशाह एवं अन्य किस्म के तानाशाह करते रहे हैं।

जीवन को सुंदर बनाने का सामर्थ्य हमारे स्वंय के अंदर हैः युवाचार्य महेंद्र ऋषि

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। जीवन को सुंदर बनाने का सामर्थ्य हमारे स्वंय के अंदर है। गुरुवार को ए एम के एम जैन मेमोरियल सेंटर के आनन्द दरबार मे संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने विशाल प्रवचन धर्मसभा मे श्रध्दालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि कर्म भी पदार्थ की तरह होते हैं। हमारी आत्मा में जो कर्म लगे हुए हैं, वे भरपूर है। इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते। कर्म सूक्ष्म भी होते हैं। साधना- आराधना की चर्या हम इसलिए करते हैं कि हमारा मुख्य लक्ष्य कर्मों का क्षय करना है। हमारे सुख दुःख के जिम्मेदार हम स्वयं है और कर्मों पर नियंत्रण करना भी हमारे हाथ में है। हमारे जीवन को सुंदर बनाना है तो उसका हमारे अंदर सामर्थ्य है। हमें परमात्मा द्वारा बताए गए कर्म सिद्धान्त को समझने की आवश्यकता है। व्यक्ति स्वयं पुरुषार्थ से कर्मों का उद्विरणा करता है। इसके लिए पुरुषार्थ का प्रोसेस है। उसके लिए पहले तैयारी हो। उस ओर कदम बढ़ाने का पुरुषार्थ हो। गाल फुलाना और मुस्कुराना दोनों एक साथ नहीं हो सकता। दोनों में से एक को चकमा देते हैं लेकिन अपने आप को चकमा कैसे देंगे। उस डायरेक्सन में आगे बढ़ो। उसके बाद में उस डायरेक्शन में हलचल होगी। उसमें बल लगाना पड़ेगा। जब उद्विरणा होगी, कर्म बल, वीर्य, उत्साह काम को अंजाम देने के लिए चाहिए होते हैं। युवाचार्य प्रवर ने कहा कि उद्विरणा बहुत महत्वपूर्ण है। कर्म की उद्विरणा यानी ग्राह्य। ग्राह्य यानी पहले जो किया हुआ है, उसका पश्चाताप। उसे स्वीकार कर लेना, यह ग्राह्य ही कर्म निर्जरा का प्रोसेस होती है। व्यक्ति उदय होने योग्य कर्म का संवर करता है। हमारी आत्मा जो कर्मबंध कर रही है, उसको प्रोटेक्ट करना ही संवर है। पुरुषार्थ से सारे दुःख दूर हो जाते हैं। इससे ही सारी ऋद्धि- सिद्धि मिलनी है। इसमें दारिद्रय दूर करने का सामर्थ्य है। इसमें शिव तत्व पाने का भी सामर्थ्य है। यह संभव है कि प्रोसेस सही डायरेक्शन में होनी चाहिए। इससे व्यक्ति निश्चित रूप से सफल होता है। हमें साधना में लक्ष्य बनाना है। मोहनीय कर्म का क्षय करना है। मिथ्यात्व को मिटाना है। हमें परमात्मा के वचनों को लेकर आगे बढ़ेंगे तभी हमारे अशुभ कर्मो को क्षय कर पाएंगे। मुनिश्री हितेंद्र ऋषिजी ने बताया कि जैन धर्म और विज्ञान के अंतर्गत डॉ. अनुपम जैन आगामी शुक्रवार को 5 बजे गणित के हिसाब से जैन धर्म और जैन धर्म के हिसाब से गणित पर कार्यशाला को संबोधित करेंगे। 18 अगस्त को मरुधर केशरी व प्रवर्तक रुपचंद महाराज की जन्म जयंती पर एकासना तप- जप के साथ मनाई जाएगी। इस दौरान संगीता बंगाणी ने 11 उपवास की पचकावनी की। संगीता कावड़िया ने 20 उपवास के पचक्खाण ग्रहण किया। तीन तपस्या गुप्त रूप से गतिमान है। गुरुवार को नवकार मंत्र जप के लाभार्थी दिनेश, महेश कवाड़ परिवार थे। धर्मसभा मे उदयपुर अशोक नगर श्रीसंघ के अध्यक्ष कांतिलाल जैन युवाचार्यश्री चैन्नेई मे आध्यात्मिक चातुर्मास की जैन महासंघ के पदाधिकारियों को बधाई दी धर्मसभा का संचालन कमल छल्लाणी ने किया।

मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ने किया केशलोंच

आगरा. शाबाश इंडिया। समाधिस्थ भारत गौरव आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ का आगरा के कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के आचार्य श्री विद्यासागर संत निलय में अर्पितमय पावन वर्षायोग चल रहा है जहां 8 अगस्त को प्रातः काल की बेला में उपाध्यायश्री ने अपने हाथों से केशलोंच की क्रियाएं संपन्न कीं इस दौरान वहां मौजूद सभी भक्तों ने मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री के इस केशलोंच की अनुमोदना की। तो वही उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज ने बताया कि जैन मुनि क्यों करते हैं केशलोंच जैन मुनि एक केशलोंच के बाद कम से कम 2 महीने और ज्यादा से ज्यादा 4 महीने में दूसरा केशलोंच करते हैं ये उनकी तपस्या का अहम हिस्सा है। जैन मुनि शरीर की सुंदरता को नष्ट करने और अहिंसा धर्म का पालन करने के लिए केशलोंच करते हैं वे बालों को उखाड़ते समय यह भावना रखते हैं कि इस कष्ट के साथ उनके पाप कर्म भी निकल रहे हैं। इससे संयम की परीक्षा और पालन भी होता है। जैन मुनि केशलोंच वाले दिन उपवास रखते हैं। उनका मानना है कि केशों के लुंचन से बालों में होने वाले जीवों को हुए नुकसान और उनके कष्ट का प्रायश्चित हो सके। इस अवसर पर जगदीश प्रसाद जैन, प्रदीप जैन पीएनसी, मनोज जैन बाकलीवाल, जैन रोहित जैन अंहिसा, अनिल रईस, नरेश जैन, अनिल जैन, अनुज जैन, शैलेंद्र जैन मीडिया प्रभारी शुभम जैन समस्त ग्रेटर कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **-रिपोर्ट शुभम जैन**

संस्थापित सन् 1894
पंजीकृत सन् 65/1956-57

सम्पर्क सूत्र : 2315019

श्री महावीर दिगम्बर जैन बालिका विद्यालय समिति द्वारा संचालित

श्री महावीर दिगम्बर जैन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

आजादी से पूर्व का हेरिटेज कन्या विद्यालय (संस्थापित वर्ष 1894)

1199, खिन्दूकों की धर्मशाला, चौरूकों का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर - 302003

स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024

गुरुवार, 15 अगस्त 2024
प्रातः 10.00 बजे

आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है।

मुख्य अतिथि
श्री अनिल जैन
(Retd. IPS उपमहानिरीक्षक पुलिस)

अध्यक्षता
श्रीमती विद्युत लुहाड़िया
(समाज सेविका)

विशिष्ट अतिथि
श्री पवन गोदीका
अध्यक्ष
चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
पारस विहार, मोहनपुरा, मुहाना मण्डी, जयपुर-29

श्रीमती रिचा जैन
प्रधानाचार्या

श्री वीरेन्द्र कुमार गोदीका
(Retd. IPS पूर्व महानिरीक्षक पुलिस)
मंत्री

श्री श्रेयांस कुमार गोधा
अध्यक्ष

प्रबन्ध समिति एवं विद्यालय परिवार

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य

अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी , अर्हं ध्यान योगप्रणेता,

मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज

ससंघ के पावन सान्निध्य में

शाश्वत तीर्थराज

सम्मेद शिखर जी

सजीव रचना

श्री पार्श्वनाथ मोक्षकल्याणक महोत्सव

रविवार, 11 अगस्त 2024

प्रात: 6.30 बजे - सम्मेद शिखर रचना पर श्री पार्श्वनाथ विधान

प्रात: 8.15 बजे - प्रवचन एवं निर्वाण लाडू

स्थान : आदिनाथ भवन, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

अभीक्ष्ण ज्ञानोपयोगी , अर्हं ध्यान योगप्रणेता,
मुनि श्री 108 प्रणम्यसागर जी महाराज

सम्मेद शिखर रचना पुण्यार्जक

श्री कुशल जी-मधु जी ठोलिया
जयपुर (राज.)

धर्मप्रेमी महानुभावों,

सादर जय जिनेन्द्र,

मोक्ष सप्तमी (भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान मोक्ष कल्याणक) के पावन अवसर पर तीर्थराज शास्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की सजीव रचना पर भगवान पार्श्वनाथ की टोंक निर्वाण लाडू चढाकर पुण्यार्जन करें।

कार्यक्रम में आप सपरिवार पधारकर पुण्यार्जन करें।

परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 अनुनयसागर जी महाराज

परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 सविनयसागर जी महाराज

परम पूज्य क्षुल्लक श्री 105 समन्वयसागर जी महाराज

आयोजक : सकल दिगम्बर जैन समाज, जयपुर

निवेदक

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

अध्यक्ष	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	संयुक्त मंत्री	कोषाध्यक्ष	संगठन मंत्री	सांस्कृतिक मंत्री	मंत्री
सुशील पहाड़िया 9928557000	सुनील बेनाड़ा 9829561399	तेजकरण चौधरी 9828081698	सीए मनोज कुमार जैन 9314503618	लोकेन्द्र कुमार जैन 9828152143	अशोक कुमार सेठी 9828810828	जम्बू कुमार सोगाणी 7665014497	राजेन्द्र कुमार सेठी 9314916778

कार्यकारिणी सदस्य : अरुण कुमार जैन (पाटोदी), शांति विजय गंगवाल, अशोक कुमार जैन (छाबड़ा), विजय जैन (झांझरी), राजेश काला (एडवोकेट), अशोक कुमार जैन (गोधा), जिनेन्द्र कुमार काला, भागचन्द जैन (पूर्व अध्यक्ष)

सहयोगी संस्थाएँ

श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति, मीरा मार्ग, मानसरोवर, जयपुर

* आदिनाथ युवा मंडल, मीरा मार्ग जयपुर * विद्यासागर पाठशाला, मीरा मार्ग, जयपुर

अर्हम् चातुर्मास समिति जयपुर-2024

परम शिरोमणी संरक्षक

श्री कंवरीलाल जी प्रशोक कुमार जी
श्री कंवरीलाल जी प्रशोक कुमार जी
सुरेश कुमार जी विमल कुमार जी पाटनी
(आर.के.गुप मदनगंज-किशनगढ़)

संरक्षक

श्री नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया

स्टार बनने की चाह में मैडल के लिए तरसते हम

प्रियंका सौरभ

ओलिंपिक 2024 में सभी देशों को टक्कर देता इकलौता विश्वविजेता देश जापान आज हम सभी के लिए ज्योतिपुंज है। 14 साल का जापानी युवा गोल्ड मेडल ला रहा है और हम 140 करोड़ का देश एक मैडल पर राजनीति श्रेय लेने की होड़ में वाह -वाही कर रहे हैं। हर खिलाड़ी की व्यक्तिगत जीत देश के लिए न्यौछावर है लेकिन हम कहाँ हैं ये जानना जरूरी है मैडल लिस्ट में। जहां कॉलेज और स्कूल स्टूडेंट्स ओलंपिक मैडल ले आते हैं उनको बचपन से फोकस, ज़िम्मेवारी और निपुणता कैसे लानी है सिखाया जाता है। आज तक के हर ओलंपिक की यह तस्वीर आप खुद देखिए अब आगे क्या कहूं? एक-एक मेडल के लिए तरसते इस देश में जब हमारे स्टार खिलाड़ी सब कुछ मिलने के बाद राजनीति का स्वाद भी लेना चाहते हैं तो मन खट्टा हो ही जाता है। देश की हालात देखिये ओलिंपिक में मेडल के लिए तरसते है और कोई एक मेडल जीत जाए तो राजनीतिक लाभ लेने के लिए पैसो की बारीश कर देते है लेकिन जो खिलाडी अभ्यास कर रहे होते है उनके लिए कोई सुविधा उपलब्ध नहीं कराते। भारत जैसा देश शायद ही कोई दूसरा होगा। इन्ही कारण से आज देश के सफल लोग देश छोड़े जा रहे है। अपने देश मे योग्यता तो जन्म के साथ जाति विशेष मे पैदा होने से ही आ जाती है, 9वीं फेल भी जाति आधार पर योग्यता के सर्टिफिकेट बांटते मिल जायेंगे लेकिन 140 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या वाला देश 1947 मे देश की आजादी के बाद भी ओलम्पिक जैसे विश्व स्तरीय खेलो मे एक एक गोल्ड मैडल के लिए तरसते आए है जबकि वहाँ कोई रिजर्वेशन भी नहीं है कि योग्यता के ठेकेदार लोगों को रोक रखा हो। हे महानुभावो, जिस फितुर को आप योग्यता मान रहे हो, असल मे तो वो देश की सामूहिक बदनामी है और हजारो अयोग्यताओ की जड़ है। जातियों मे महानता खोजना योग्य नहीं अयोग्य लोगो की पहचान है। ये जो ग्रेट जाति बनने की बीमारी लोगों मे लगी है, ये कोढ़ से भी ज्यादा घातक है। कोढ़ तो शरीर पर हमला करता है, जातियो मे महानता तो सीधा दिमाग मे कोढ़ लगाता है। आदमी कब नफरत का आदी हो जाता है, कब अपराधी होने मे गर्व तलाशने लगता है - पता भी नही लगता। खिलाड़ी एक खिलाड़ी होता है और देश का प्रतिनिधित्व करता है फिर क्यों एक विशेष जाति के नारे हावी हो जाते है। यहीं हम हार जाते है। पता नहीं हम कब सुधरेंगे ? आबादी के लिहाज से छोटे से मुल्क ऑस्ट्रेलिया की अकेली खिलाड़ी एम्मा मैकेन ने टोक्यो ओलंपिक-2021 में 4 गोल्ड व 3 ब्रॉन्ज मैडल जीते। ऑस्ट्रेलिया में उसे कोई पूछने तक नहीं आया,क्योंकि वहां के लोगों या सरकार के लिए या राज नेताओं के लिए यह उपलब्धि कोई खास मायने नहीं रखती। और दूसरी तरफ हम 140 करोड़ भारतीय सिर्फ एक मैडल पर ही पागल हुए जा रहे हैं । हमारे प्राइम मिनिस्टर, चीफ मिनिस्टर सहित तमाम छुटभैये नेता रोटियां सेंक रहे हैं । इस एक मैडल की आड़ लेकर जात धर्म के ठेकेदार जहरीले नाग बेखौफ फुंफकारते घूम रहे हैं। ऐसा यूँ है कि इस देश में चढ़ते सूरज को नमस्कार किया जाता है। गरिमा, गौरव और प्रतिष्ठा के बिना ही यहाँ जीवन चलता रहता है। आज भी यहाँ चीन का सामान खरीदा जाता है। जो फिल्मी कलाकार तुर्की जाकर शूटिंग करते हैं उनका बहिष्कार तक करने की किसी की हिम्मत तक नहीं होती है। यहाँ विदेशी लुटेरों को पूजा जाता है। विदेशी आक्रांताओं के अधीन रहने से हमें तिल-तिल कर मरने की आदत पड़ गई है। इसीलिये सत्ता के विरुद्ध आवाज उठाना नहीं आता है। जो भी हो रहा है वो सब भगवान की मर्जी मान कर जीने की कला सीख ली है। शत्रुता या मारक भाव के अभाव के कारण पता ही नहीं चलता कि कौन हितैषी है और कौन विद्वेषी। विश्वसनीयता के नाम पर हम हमेशा देश हित से ऊपर जाति, वर्ग, धर्म, परिवार-कुटुम्ब, गाँव, प्रदेश, क्षेत्र, सम्प्रदाय, व्यवसाय और व्यक्तिगत लाभ को रखते हैं। खिलाड़ी जीत कर आयें तो उन्हें करोडों मिलते हैं,लेकिन जो देश की रक्षा के लिए अपने परिवार की परवाह न करते हुऐ अपनी जान न्यौछावर कर दें उन्हें बस 1 मैडल..? मैं मैडल की तुलना पैसों से नहीं कर रही हूँ, यह तो अनमोल है, लेकिन जो देश के लिए अपने घर वालों को छोड़कर चला गया उनकी फैमली बच्चे माता पिता की जिम्मेदारी किसकी..? सच तो ये है कि,आज पैसों से ही सब होता है। भावनाओं और सम्वेदनाओं से जीवन यापन नहीं किया जा सकता.. यह भी सत्य है कि दोनों चाहे खिलाड़ी हो या जवान देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। फिर उनके साथ ऐसा अन्याय क्यों..? सिस्टम को सोचने की जरूरत है। खिलाडियों को खिलाड़ी रहने दें। युद्ध के नायक न बनाए।

आओ अपना फर्ज निभाएं प्रकृति का कुछ कर्ज चुकाएं...

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। मेरा वृक्ष मेरा परिवार एक पौधा मां के नाम वृक्ष धरती का श्रृंगार आवो अपना फर्ज निभाए प्रकृति का कुछ कर्ज चुकाए के उद्देश्य से महावीर इंटरनेशनल कुचामन द्वारा आज 8 अगस्त गुरूवार को कुचामन गौशाला बीड मे काबरा गौ चिकित्सालय के सामने संस्था हरित भारत पर्यावरण संरक्षण हेतू आक्सीजन प्रदाता 11 पोधौ का ट्री गार्ड सहित वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर वीर सुनिल माथुर अध्यक्ष , वीर रामावतार गोयल, कोषाध्यक्ष वीर सुरेश कुमार जैन, वीर सुरेन्द्र सिंह, दीपपुरा गोशाला के अध्यक्ष नन्दकिशौर बिड़ला, समाजसेवी हरीमौहन बिडला गौ चिकित्सक दोलाराम धोटया के सानिध्य वृक्षारोपण किया गया । वीर रामावतार गोयल ने कहा की वृक्ष ही जीवन हे आमजन को रक्षा बंधन से से पहले (वृक्षाबंधन)पेडो का रक्षा सूत्र बान्ध कर पर्यावरण बचाने का संकल्प लेना चाहिए वीर सुभाष पहाडिया ने सहयोग कर्ताओ को घन्यवाद दिया। **-वीर सुभाष पहाडिया**

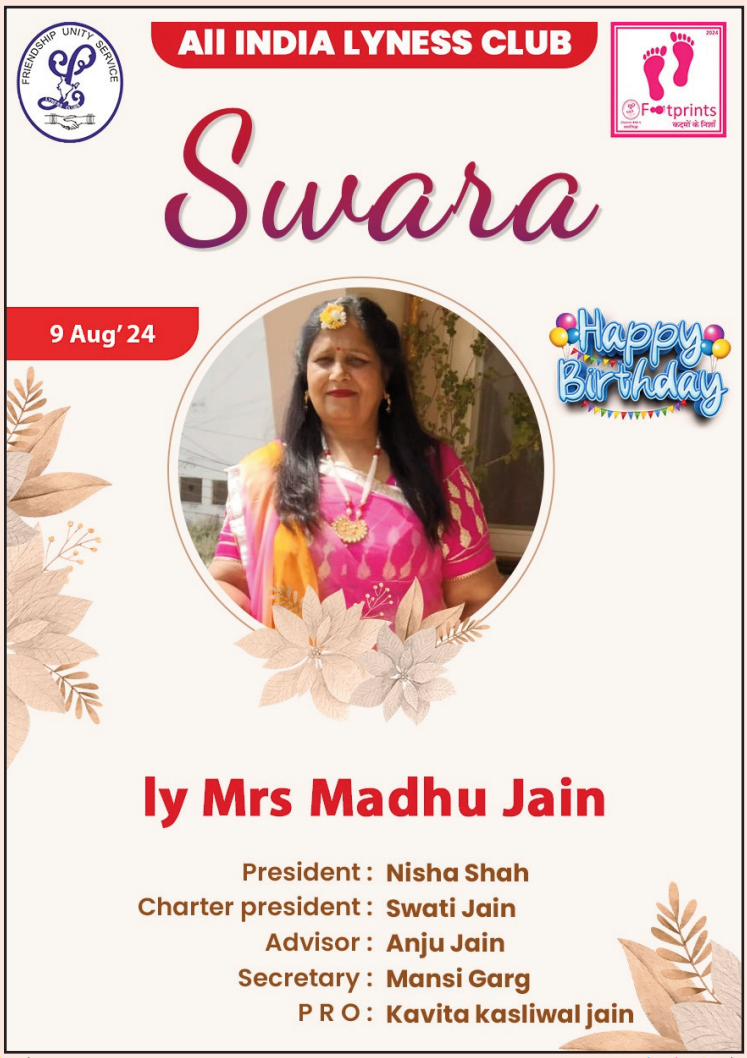

जिनवाणी महिला मंडल द्वारा आचार्य श्री की पूजा बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न

सकारात्मक सोच और उत्साही मन ही हमारे सभी कार्यों की सफलता है: अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज

कूलचारम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया

भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्क्रड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का 2024 का चोमासा कुलचाराम हैदराबाद मे चल रहा है ।प्रवचन मे भक्तो को कही कि उम्मीद भी एक जिद है.. आज हर एक आदमी, उम्मीद - आस और विश्वास के साथ जीवन घिसट घिसट कर जी रहा है। थके हारे उबाऊ जीवन जीने वाले लोगों को देखकर लगता है कि जीवन सचमुच अन्धकार मय है यदि आकांक्षाएं न हो तो जीवन प्रकाशमय हो सकता है। क्योंकि विवेक के बिना सारी इच्छाएं, आकांक्षाएं अन्धी है, सारा ज्ञान व्यर्थ है यदि तदनुरूप आचरण न हो। जब आप सेवा, परोपकार, धर्म और सत्संग को बिना इच्छा और अपेक्षाओं से करते हैं, तो स्वयं के स्वभाव और परमात्मा को अपने निकट पाते हैं। परमात्मा के निकट से तात्पर्य है - संकल्प से चलना और समर्पण से पहुंचना। संकल्प और समर्पण का तभी फल सम्भव हो सकता है, जब हम आत्म विश्वास से भरे और दृढ़ निश्चय से चलें। सकारात्मक सोच और उत्साही मन ही हमारे सभी कार्यों की सफलता है। यदि आप दुःख में से सुख खोजना चाहते हैं तो सुख खोज सकते हैं, बशर्त है सकारात्मक सोच...!!!अतिशय क्षेत्र कुल्चराम जी में 108 आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज हैदराबाद जिनवाणी मंडल द्वारा आचार्य श्री की पूजा बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ की गई। मंडल की बहनों ने भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ की पूजा व भक्ति के साथ गुरु प्रवचन, गुरु भक्ति, और आरती कर धर्म लाभ लिया। इस अवसर पर श्रीमति सपना बड़जात्या, रूपाली चांदुवाड, रुचिता चांदुवाड, वंदना जैन, बुलबुल शाह, राखी सेठी, रचना सेठी, और शुभी जैन उपस्थित थीं।

नरेंद्र अजमेरा,
पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

वृक्षारोपण कर जन्मदिन की शुरूआत

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रीमती अनिता दीवान धर्मपत्नी अनिल दीवान के 60 वें जन्मदिवस पर दीवान परिवार व चूलगिरी दैनिक यात्रियों ने सुबह चूलगिरी पर अभिषेक, शांतिधारा कर चूलगिरी पर्वत व नसियां दीवान नन्दलाल जी झालरेवाली तीनों नसियां पर फलों व औषधियो के 60 वृक्ष लगाकर सघन वृक्षारोपण कर मंग़ल शुरूआत की।

CSR गतिविधि के अंतर्गत बीकानेर जिले के 25 गाँवों में 1121 स्ट्रीट सोलर लाइट स्थापित करने की परियोजना का शुभारम्भ

जयपुर। महावीर इंटरनेशनल फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड की सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत प्रायोजित बीकानेर जिले के 25 गाँवों में 1121 स्ट्रीट सोलर लाइट स्थापित करने की परियोजना का शुभारम्भ 11 अगस्त, 2024 सायं 4:00 बजे रिद्धि सिद्धि भवन, रानी बाजार इंडस्ट्रियल एरिया, बीकानेर में जिले के जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के सान्निध्य होगा। अन्तर्राष्ट्रीय महासचिव वीर अशोक गोयल ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल द्वारा CSR के अंतर्गत गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने से गांवों का जीवन बेहतर करने में अपना योगदान देगी साथ ही ये लाइट पर्यावरण के लिए अच्छी होने के साथ ही लोगों को सुरक्षित रखती हैं और इनका इस्तेमाल करना भी आसान है। इनसे ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन में बदलाव संभव होगा। गांवों में सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने से एक टिकाऊ, उज्जवल और हरित भविष्य की उम्मीद भी की सकती है। महावीर इंटरनेशनल एक गैर-धार्मिक सामाजिक सेवा संगठन है जिसका इतिहास 49 वर्षों से भी अधिक पुराना है, जिसकी शुरुआत 1975 में हुई थी। इसका मुख्यालय जयपुर में स्थित है। ''सबको प्यार—सबकी सेवा'', ''जीओं और जीने दो'' के आदर्श एवं ध्येय के साथ पुरे भारत वर्ष में 350 शाखाओं के माध्यम से महावीर इन्टरनेशनल का मुख्य उद्देश्य मानव हितार्थ कार्य करते हुए असहाय, निराश्रित, कमजोर, दलित, गरीब, निराश व जरूरतमन्दों की सेवा करना एवं उनके उत्थान हेतु निरन्तर प्रयास करना है। संस्था बिना किसी धर्म, जाति, देश, रंग व लिंग भेद के समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की सेवा में लगातार लगी हुई है। संस्था विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपनी समर्पित सेवाओं के माध्यम से उनके उत्थान के लिए अथक प्रयासरत है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गुरु देव की एक मुस्कान से सब कुछ सहज ही हो जाता था : उपसर्ग विजेता सोम्यसागरजी महाराज

मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के कारण ही दीक्षा लेने का मिला सौभाग्यः मुनि श्री निश्चल सागर जी महाराज

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। जिला मुख्यालय से पैंतालीस किलोमीटर दूर मुंगावली में नगर गौरव परम पूज्य मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज ससंघ में विराजमान अशोक नगर गौरव मुनि श्री निश्चल सागर जी महाराज एवं मुनि श्री निरापद सागर जी महाराज का ग्यारहवां दीक्षा दिवस जिले भर से पहुंचे भक्तों के साथ जैन समाज मुंगावली ने विभिन्न कार्यक्रम के साथ श्रद्धा पूर्वक मनाया इस दौरान मुनि त्रय के चित्रकाल के माध्यम से दीक्षा दिवस पर विशेष रूप से तैयार किए गए चित्रो का अनावरण अशोक नगर जैन समाज राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री विपिन सिंघई मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा के साथ अन्य भक्तों द्वारा किया गया।

दीक्षा दिवस नहीं आज गुरु उपकार दिवस है: मुनि श्री

इसके पहले धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए परम पूज्य मुनि श्री निश्चित सागर जी महाराज ने कहा कि दीक्षा दिवस नहीं आज तो उपकार दिवस है सन् 1989मे परमपूज्य मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज का चातुर्मास अशोक नगर में चल रहा था उनके कारण ही कुंडलपुर जाने का सौभाग्य मिला उसी समय कुंडलपुर में आर्यिका दीक्षा हो रही है हमने सोचा अपन भी मुनि बन सकते हैं और आचार्य श्री के पास नियम लेने पहुंच गए एक बार में ही आचार्य श्री ने तीन तीन नियम दे दिए उन्ही नियमों की दृढ़ता ने यहां तक पहुंच दिया आचार्य भगवंत से जीवन में पहली बार चर्चा का सौभाग्य मिला चर्चा क्या चर्या ही बन गई इस दौरान मुनिश्री निरापद सागर जी महाराज ने कहा कि आज का दिन वैराग्य के पलों को याद कर अपने परिणामो को संभालने का दिन है आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज ने हम तीन सौ से अधिक भाई वहनों को मोक्षदायिनी इस मार्ग पर आगे कदम बढ़ाए रखने का सम्बल दिया।

वैराग्य को अंतिम समय तक सुदृढ़ वाना ये रखना चाहिए: मुनि श्री

दीक्षा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उपसर्ग विजेता मुनि श्री सौम्य सागर जी महाराज ने कहा कि आज जिनका दीक्षा दिवस है उन्होंने सिर्फ एक ही संकल्प लिया था कि गुरु देव के आशीर्वाद को सार्थक बनाना है किसी को पता नहीं है कि कितना समय लगेगा तव मैंने सोचा कि सेवा कैसे की जाती है ये हमारे संघ में कोई निश्चल सागर जी महाराज से पूछे और इन्हौने करके दिखाया तव आज हम यहां आपके बीच बैठें हैं उन्होंने कहा कि कभी आपने देखा कि दुल्हा दो और वारती एक है आप तो वाजे वाले हैं वोहरीवद की बात है तेईस मुनि राज का दीक्षा दिवस था हम ने आचार्य श्री से निवेदन किया बोहरीवंद में जनता तो है नहीं आपके सानिध्य के साथ आपके आशीर्वाद वचन चहेते हैं गुरु जी के मुस्कान को साक्षी मानकर उसी आनंद में डूबकर दीक्षा दिवस मनाया सवने अपने अपने अनुभव सुनाए आचार्य श्री ने एक बात पकड़ ली वैराग्य के कारण से आगे की बड़ने की बात होती तो अच्छा था उन्होंने कहा कि वैराग्य कैसा हुआ अब ये महत्वपूर्ण नहीं वैराग्य को कैसे दृढ़ वनाये रखें ये महत्वपूर्ण है कई वार गुरु जी के सान्निध्य में दीक्षा दिवस मनायें अंतिम दिन में वैराग्य को परवान चढ़ाये रखना महत्वपूर्व होता है

एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रधानमंत्री मोदी के आवाहन पर और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत राधेश्याम उपाध्याय, वार्ड 78 के पार्षद रवि उपाध्याय और समाज सेवी नवीन भंडारी ट्रस्टी श्री राम आशापूरण चैरिटेबल ट्रस्ट राजकुमार सैनी और वार्ड वासी के सहयोग से अभियान आरंभ किया गया है। नवीन भंडारी ने अभियान के बारे में बताया और राजस्थान को हरा भरा करने के उद्देश्य से सभी लोगों को कहा इस पर्यावरण की रक्षा करना और लोगों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया । और जहां-जहां पर वृक्ष लगाए जाएंगे वहां की जनता को उनकी रक्षा करने के लिए शपथ भी दिलाई इस अभियान में कई लोगों ने भाग लिया और पेड़ लगाए।

रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। फुलईस्टॉप एवं स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में मालवीय नगर स्थित 7/449 में ब्लड बैंक की रक्तदान वाहिनी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। फुलईस्टॉप की एचआर डायरेक्टर प्रिया बागला ने बताया कि रक्तदान शिविर के साथ-साथ रक्त जांच भी की गई। शिविर में 14 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर में सर्वप्रथम गौरव शर्मा ने रक्तदान किया। फुलईस्टॉप के डायरेक्टर रचित बगड़ा ने भी रक्तदान किया व बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित होते रहेंगे।

सच्चा मित्र तो वह है जो हर समय धर्म की शरण में जाने का पाठ पढ़ाए: मुनि प्रणम्य सागर

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन, पार्श्वनाथ कथा में उमड़े श्रद्धालु

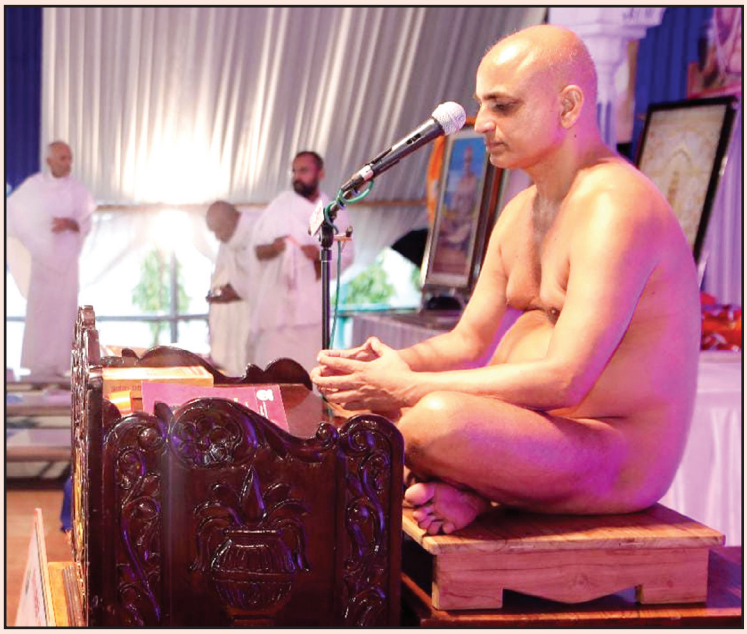

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के चार भव पूर्व के वृतांत के अन्तर्गत बताया कि जो पदार्थ जैसा है, उसी स्वरुप में उसे जानना यथार्थ ज्ञान है। यह संसार ईश्वर की माया नहीं है अपितु यह तो मोह से वशीभूत कर्मों का साया है। इस संसार का कोई और छौर नहीं है, जो जन्म लेता है उसका मरण निश्चित है, यही सत्य है। मुनि श्री ने कहा कि तीर्थंकर से बढकर कोई वैज्ञानिक नहीं हुआ है। क्योंकि पदार्थ का स्वरूप सर्वज्ञ भगवान ने ही बारीकी से जाना और बताया है। मुनि श्री ने आगे कहा कि जो आपकी गति को बिगाड़े, जो आपका दुख बढावे, वो आपका सच्चा मित्र कैसे हो सकता है। सच्चा मित्र तो वह है जो हर समय धर्म की शरण में जाने का पाठ पढाए। अपने को निर्मल बनाएं वो ही धर्म है। इससे पूर्व शुभम भैया एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात समाजश्रेष्ठी राजीव - नीता पाटनी परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि विशिष्ट अतिथि के रूप में दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के कोषाध्यक्ष विवेक काला, पूर्व मुख्य सचिव अशोक जैन, पूर्व लोकायुक्त पदम चन्द जैन, राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा, मुनि भक्त कुशल ठोलिया, श्रमण संस्कृति संस्थान के कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, संयुक्त मंत्री दर्शन बाकलीवाल, महावीर जी के प्रशासनिक समन्वयक भारतभूषण जैन एवं अपभ्रंश साहित्य अकादमी छात्रावास के छात्रों ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति के संगठन मंत्री अशोक सेठी एवं सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में शुक्रवार 9 को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा।इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी। संयुक्त मंत्री मनोज जैन ने बताया कि शनिवार 10 अगस्त को जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया जावेगा। **रविवार को मनायेगे मुकुट सप्तमी एवं भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव** : संगठन मंत्री अशोक सेठी ने बताया कि मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में रविवार 11 अगस्त को जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा।इस मौके पर शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी की सजीव रचना की जाएगी। प्रातः 6.30 बजे से भगवान पार्श्वनाथ की पूजा एव श्री कल्याण मंदिर पूजा विधान साजो के साथ किया जाएगा। प्रातः 8.00 बजे निर्वाण लाडू चढाया जायेगा। तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें ।